हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 3 मार्च 2026

11 जनगणना के पहले चरण में 1 मई से शुरू होगी मकानों की गिनती

12 'एक संकल्प नशे के खिलाफ' मुहिम पहुंची टोहाना...

फतेहाबाद। जवाहर चौक में होली पर सजी दुकान। फोटो: हरिभूमि

होली पर सजे बाजार, हर्बल गुलाल की डिमांड ज्यादा

- रंगो के त्योहार को लेकर उत्साहित हैं बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

होलिका दहन का त्योहार हर वर्ष फाल्गुन माह की पूर्णिमा पर मनाया जाता है। होलिका दहन को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इसके अगले दिन प्रतिपदा तिथि पर रंगों और गुलाल से होली खेली जाती है। होलिका दहन पर भद्रा काल जरुर देखा गया। इसके कारण सोमवार देर शाम को यहां होलिका दहन किया गया। बुधवार को फाग धूमधाम से मनाया जाएगा। फाग को लेकर बाजारों में काफी रौनक देखी जा रही है। रंगों के त्योहार होली पर फतेहाबाद के बाजार रंग व गुलाल से सजे हुए हैं। इस बार लोगों में तिलक होली खेलने के लिए सूखे और हर्बल गुलाल की मांग ज्यादा है।

पक्के रंग की मांग कम

साल दर साल पक्के रंग की मांग कम होती जा रही है। इस बार तो इसकी मांग एक चौथाई ही रह गई है। सभी लोग त्वचा को लेकर जागरूक हो गए हैं। लोग सूखी होली खेलने पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। पक्के रंग की बजाय हर्बल गुलाल की डिमांड अधिक है। खासकर कैमिकल रहित गुलाल ज्यादा मांग रहे हैं। -राजेन्द्र आहूजा, राज जनरल स्टोर

डिजाइनदार पिचकारियां उपलब्ध

होली के त्योहार को लेकर इस बार डिजाइनदार पिचकारियों से लेकर गुलाल उड़ाने के लिए शूटर गन भी उपलब्ध हैं। ग्राहकों की डिमांड के अनुसार उनको चीजें मिलेंगी। इस बार होली को लेकर अनेक तरह की आईटमें बाजार में आई हुई है। बच्चों को लुभाने के लिए आकर्षक पिचकारियों के साथ-साथ गुलाल गन और सिलैण्डर की लोग काफी डिमांड कर रहे हैं। गुरदीप सिंह बग्गा, पाल सुपर स्टोर

शहर में इन बाजारों में लगी हैं स्टालें

शहर के थाना रोड, पुरानी सब्जी मंडी, धर्मशाला रोड व चार मरला कॉलोनी सहित शहर के बीच गलियों में छोटी-मोटी दुकानें भी रंगों व पिचकारियों से अट गई हैं। ज्यों-ज्यों होली के दिन नजदीक आ रहे हैं, इन दुकानों पर खरीदारों की भीड़ भी बढ़ रही है। व्यापारियों ने ग्राहकों की मांग को ध्यान में रखते हुए खुशबू वाली गुलाल मंगाई है। इस बार कैमिकल रहित हर्बल गुलाल की डिमांड ज्यादा है। साथ ही दुकानों को मुखौटों और पिचकारियों से सजा रखा है।

होली पर्व को लेकर फतेहाबाद पुलिस पूरी तरह सतर्क

- 700 पुलिस कर्मियों की लगाई ड्यूटी, 18 ईआरबी, 10 पीसीआर और 30 राइडर टीमें तैनात

एसपी सिद्धांत जैन।

फतेहाबाद। होली पर युवाओं द्वारा की जाने वाली हुडदंगबाजी को रोकने के लिए फतेहाबाद पुलिस ने कमर कस ली है। होली के पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न करवाने के लिए फतेहाबाद पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशानुसार जिले में विशेष सुरक्षा प्लान लागू किया गया है, जिसके तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगा। एसपी ने बताया कि होली के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, हुड़दंग, जबरन रंग डालने, शराब पीकर वाहन चलाने, स्टंटबाजी, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने अथवा सांप्रदायिक सौहार्द बिगाडऩे की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार गश्त करने, संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जलभराव पर मंथन, तालाब सिमटकर 70 से 15 एकड़ हुआ

- 17 किमी स्टॉर्म वॉटर ड्रेन प्रोजेक्ट की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

भूना। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जल भराव पर मंथन करते हुए एडीसी व एसडीएम।

शहर में बरसाती पानी की निकासी के स्थायी समाधान को लेकर सोमवार को नगर पालिका कार्यालय में एडीसी की अध्यक्षता में प्रशासनिक अधिकारियों की मंथन बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने तर्क और सुझाव रखे। दो वर्ष पहले मंजूर हुई स्टॉर्म वॉटर ड्रेन परियोजना, जिसके तहत शहर का पानी 17 किलोमीटर दूर पाइपलाइन बिछाकर रंगोई नाले में डाला जाना है, पर भी गहन समीक्षा की गई। शहर में बरसाती पानी के लिए करीब 70 एकड़ भूमि में बना तालाब ही एकमात्र सहारा रहा है, लेकिन लगातार अतिक्रमण और मिट्टी भराई के कारण इसका क्षेत्रफल घटकर लगभग 15 एकड़ रह गया है।

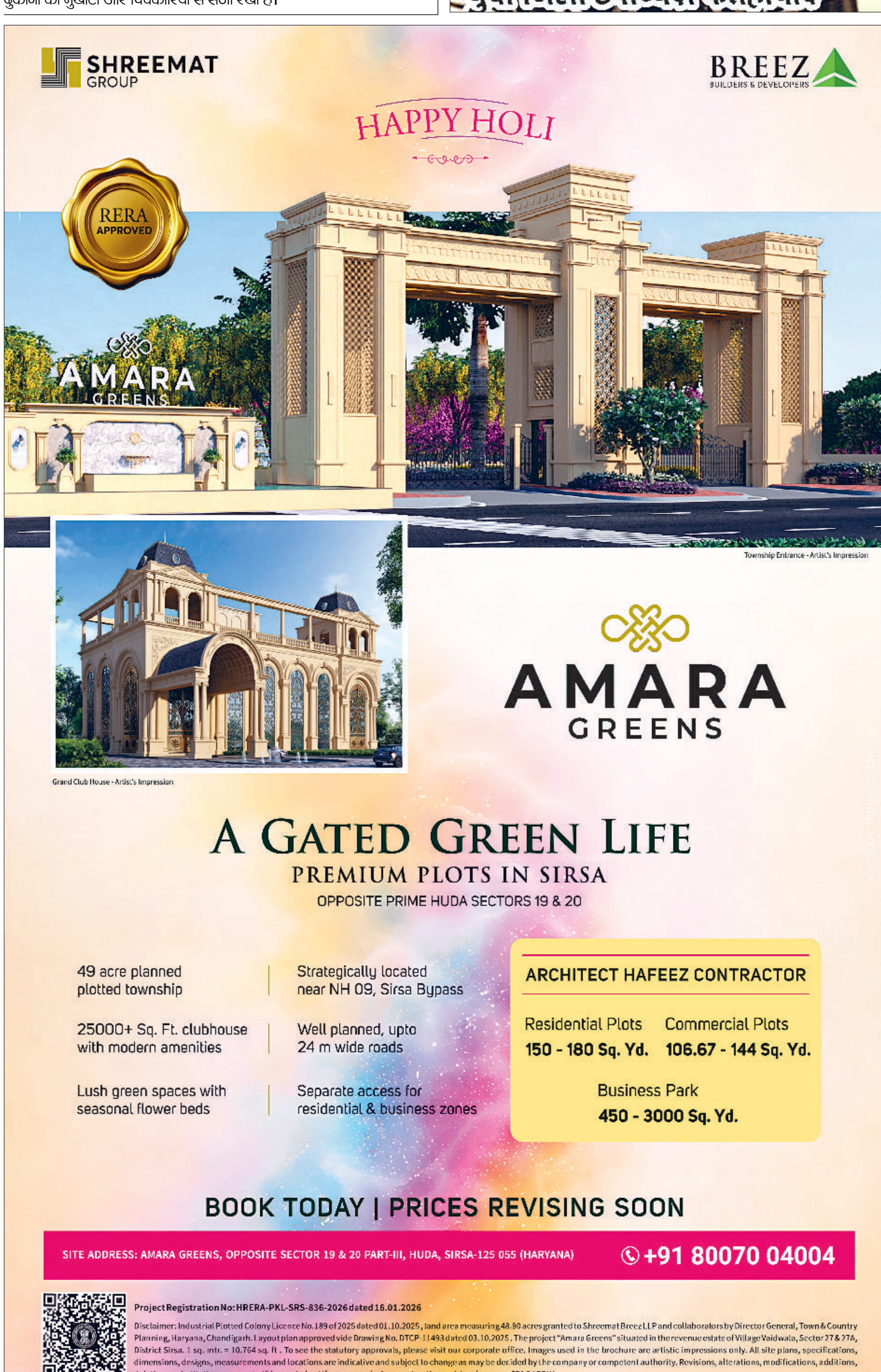

भारतीय जन-जीवन में फागुन का आगमन केवल ऋतु-परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना का सक्रिय समय होता है। इस चेतना को अपने अस्तित्व में संजोती, उसमें लोक व्यवहार और परंपराओं को पोसती स्त्री की सहभागिता, फागुन में नव-उमंग को संचारित करती है। इससे घर-परिवार और समाज में जीवंतता का इंद्रधनुषी रंग घुल-मिल जाता है।

फागुन की थाप में स्त्री की भूमिका

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

फागुन वह महीना है, जब प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन, पेड़ों पर बौर, टेसू के फूलों की केसरिया आभा, हवा की गंध, मनुष्य की स्मृतियों और संबंधों को अलग तरह से प्रभावित करते हैं। ऋतु का यह बदलाव बाहरी दृश्य से अधिक आंतरिक अनुभव का विषय बन जाता है। विशेषतः स्त्री के जीवन में फागुन एक साथ स्मृति, अनुभव, सजगता और सहभागिता का समय लेकर आता है। उल्लास की डोर हौले से पकड़ा देता है।

स्पष्ट संकेतों के साथ फागुन का आगमन

प्रकृति के स्तर पर फागुन का आगमन स्पष्ट संकेतों के साथ होता है। हवा में महुए की गंध घुलने लगती है, टेसू के फूल, गेहूं, चने की पकी फसलें, खेतों और बागों को रंग देते हैं, धूप में हल्का सुनहरापन घुल जाता है। यह परिवर्तन केवल दृश्य नहीं, संवेदनात्मक भी होता है। गंध, रंग और ध्वनि मिलकर ऐसा वातावरण निर्मित करते हैं, जिसमें अतीत और वर्तमान का अंतर कम होने लगता है। ढोलक की थाप, फगुआ के गीत और गली-मोहल्लों की चहल-पहल सामूहिकता का आह्वान करती है। यह वह समय है, जब व्यक्ति अपने निजी जीवन से बाहर निकलकर समुदाय का हिस्सा बनता है। एक अपने से दृष्टि हटाकर कुनबे की तरफ देखता है।

सामाजिक भेद से दूर होली का उल्लास

होली के दिन सामाजिक भेद कुछ समय के लिए हल्के पड़ जाते हैं। यह भेद मिटाना केवल खेल के लिए नहीं, प्रतीकात्मक क्रिया होती है। यह बताने के लिए कि सामाजिक ऊंच-नीच, औपचारिकता और दूरी का स्थान उत्सव में सीमित है। बड़े-छोटे, स्त्री-पुरुष, सभी एक साथ रंग में भीगते और गले मिलते हैं। ढोलक की थाप और फगुआ के गीत सामूहिक स्मृति को जीवित रखते हैं। लोकगीतों में पीढ़ियों का अनुभव, हास्य, व्यंग्य और जीवन-दृष्टि संचित रहती है। पारंपरिक समाज में वे प्रारंभ में चौखट के भीतर से देखती थीं, पर धीरे-धीरे सहभागिता का दायरा बढ़ता गया।

उम्र के हिसाब से बदल जाता है फागुन का अर्थ

जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में फागुन का अर्थ बदलता है। बचपन में यह केवल खेल और आनंद का समय होता है- पिचकारी, रंग और खुली हंसी। किशोरावस्था में रंगों का अनुभव अधिक संवेदनशील हो उठता है, सामाजिक और शारीरिक चेतना जागृत होती है। विवाह के बाद नए परिवेश में स्त्री को संबंधों की मर्यादाएं समझनी होती हैं, किसके साथ कितनी सहजता उचित है, कहां संयम आवश्यक है। इस प्रक्रिया में वह अपने लिए संतुलित स्थान तय करती है। धीरे-धीरे वह समझती है कि उत्सव में भागीदारी का अर्थ भीड़ में विलीन हो जाना नहीं, बल्कि अपनी गरिमा बनाए रखते हुए शामिल होना है।

रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ आज भी है प्रासंगिक

समकालीन संदर्भ में भी फागुन का महत्व बना हुआ है, यद्यपि स्वरूप में परिवर्तन आया है। शहरी जीवन में सामूहिकता का रूप सीमित हो सकता है, पर रंगों का प्रतीकात्मक अर्थ अब भी प्रासंगिक है। सम्मान, सहमति और सहभागिता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। इस परिवर्तन में स्त्री की भूमिका अधिक स्पष्ट और मुखर हुई है। वह उत्सव की सहभागी ही नहीं, उसकी दिशा निर्धारित करने वाली भी है। अंततः फागुन एक ऐसा सांस्कृतिक क्षण है, जिसमें प्रकृति, समाज और व्यक्ति का अनुभव एक-दूसरे से जुड़ता है। यह स्मृति को सक्रिय करता है, संबंधों की परीक्षा लेता है और सामूहिकता की भावना को पुनर्स्थापित करता है। स्त्री के संदर्भ में फागुन का महीना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इसमें श्रम, संवेदना, सावधानी और उल्लास, सभी को संतुलित करती है।

केवल रंगों का पर्व नहीं फागुन

यदि उत्सव में आनंद और मर्यादा साथ चलें, तो फागुन केवल रंगों का पर्व नहीं, सामाजिक परिपक्वता का प्रतीक भी बन जाता है। इसी सांस्कृतिक संदर्भ में उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली विशेष उल्लेखनीय है। यहां लट्ठमार होली की परंपरा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक सामाजिक संवाद है। स्त्रियां लाठियां लेकर पुरुषों पर प्रहार करती हैं और पुरुष ढाल लेकर उसे खेल भाव से स्वीकारते हैं। यह आयोजन लोकविश्वास से जुड़ा है, जिसमें राधा-कृष्ण की लीलाओं का स्मरण निहित है। यहां स्त्री केवल दर्शक नहीं, सक्रिय केंद्र में होती है। उसकी उपस्थिति उत्सव की धुरी बनती है और प्रतिरोध भी विनोद के भीतर रूपायित होता है। श्रीकृष्ण के रंग-अनुराग का प्रसंग होली के पर्व को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विस्तार देता है। श्रीकृष्ण द्वारा गोपियों पर रंग डालने की कथा केवल राग-रंग का प्रसंग नहीं, बल्कि प्रेम की स्वीकृति और संवाद का प्रतीक है। राधा-कृष्ण की परंपरा में रंग एकतरफा नहीं, प्रत्युत्तर में लौटता है, यह समानता और सहभागिता का सांकेतिक रूप है। इस प्रकार फागुन का सांस्कृतिक अर्थ व्यक्तिगत स्मृतियों से लेकर लोक-परंपराओं और दार्शनिक प्रतीकों तक विस्तृत है। स्त्री की स्मृति, उसकी सजगता और उसकी सक्रिय भागीदारी इस पर्व को पूर्णता देती है। ❀

स्त्री-शक्ति के सात रंग

महिलाओं को सशक्त बनने के लिए अपने जीवन में सशक्तिकरण के प्रतीक ये सात रंग भरने जरूरी हैं। ये रंग कौन से हैं, इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

आह्वान

शिखर चंद जैन

महिलाओं को सशक्त बनाना किसी भी समाज-राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे प्रभावशाली कदम है। इसके लिए हर महिला को अपने जीवन में इन सात रंगों को सजाना होगा।

पहचान का रंग

सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी स्वयं को पहचानना है। एक स्त्री को समाज द्वारा तय की गई भूमिकाओं से इतर अपनी एक स्वतंत्र पहचान बनानी चाहिए। पुस्तक, 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' की लेखिका माया एंजेलो कहती हैं, 'हमारी पहचान हमारे अतीत से नहीं, बल्कि हमारे चयन से बनती है।'

आर्थिक आत्मनिर्भरता का रंग

आज के दौर में 'फाइनेंशियल फ्रीडम' नारी शक्ति का मुख्य स्तंभ माना गया है। आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिला न केवल अपने परिवार की रीढ़ बनती है, बल्कि देश की जीडीपी में भी योगदान देती है। आर्थिक स्वावलंबन, उद्यमिता और वित्तीय मजबूती ही असली सशक्तिकरण है।

साहस का रंग

इतिहास से लेकर वर्तमान तक, महिलाओं का संघर्ष ही उनके साहस का वास्तविक परिचायक रहा है। चाहे वह झांसी की रानी की ऐतिहासिक वीरता हो या आज की महिला सैनिकों, वैज्ञानिकों और एथलीटों का संघर्ष। साहस, नारी का वह रंग है, जो उसे विपरीत परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देता। मुसीबतों के सामने डटे रहना ही नारी शक्ति का सबसे गहरा रंग है।

शिक्षा का रंग

शिक्षा केवल साक्षरता नहीं, बल्कि सोचने का नजरिया देता है। उच्च शिक्षा और तकनीक का ज्ञान महिलाओं को रूढ़िवादिता की बेड़ियों से मुक्त कर उन्हें वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाता है। यह रंग अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर तार्किक सोच विकसित करता है।

नेतृत्व क्षमता का रंग

आज के दौर में महिलाएं केवल आदेशों का पालन नहीं करतीं, बल्कि वे नेतृत्व भी करती हैं। कॉर्पोरेट बोर्डरूम से लेकर पंचायतों और संसद तक, महिलाओं की भागीदारी ने यह सिद्ध किया है कि उनमें निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होती है। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी नेतृत्व क्षमता साबित करके दिखाया है कि महिलाएं केवल घर ही नहीं, बल्कि दुनिया चलाने की क्षमता रखती हैं।

संवेदनशीलता का रंग

अकसर ही संवेदनशीलता को कमजोरी समझा जाता है, लेकिन नारी शक्ति का एक रंग उसकी संवेदनशीलता और भावनाओं में भी छिपा है। एक सशक्त महिला अपने आसपास के परिवेश को अधिक समावेशी और शांतिपूर्ण बनाने का सामर्थ्य रखती है।

सामाजिक न्याय का रंग

नारीवाद का आधुनिक रंग केवल अपने हक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज में न्याय की स्थापना का रंग है। यह रंग एक न्यायपूर्ण और समतावादी समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करता है। सशक्तिकरण का यह रंग चुप रहने की परंपरा को तोड़कर बदलाव की आवाज बनने का आह्वान करता है। ❀

होली का त्योहार हर्षोल्लास से भरा होता है। लेकिन रंगों में मौजूद केमिकल्स कई बार आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदेह साबित होते हैं। इनसे बचाव के लिए आपको किस तरह की सावधानियां बरतनी चाहिए, बता रहे हैं डिटेल में।

बरतें सावधानी-मनाएं सुरक्षित होली

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रॉबिन लोहिया
जनरल फिजिशियन, दिल्ली

बगैर सावधानी बरते और केमिकल वाले रंगों से होली खेलने की वजह से कई लोगों को स्किन और आंखों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

हो सकती हैं ये स्किन प्रॉब्लम्स: आमतौर पर बाजार में बिकने वाले होली के रंगों में लेड, मरकरी, क्रोमियम, कॉपर सल्फेट और इंडस्ट्रियल डाइज होते हैं, जो एलर्जी और इंफेक्शन का कारण बन जाते हैं। रंगों में मौजूद केमिकल्स त्वचा की प्राकृतिक नमी सोख लेते हैं, इससे रूखापन, जलन और खुजली जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। इनकी वजह से लाल चकत्ते, सूजन और फफोले जैसी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं। इससे एक्जिमा, सोरायसिस या एटोपिक डर्मेटाइसिस जैसी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। कुछ रंगों में ऐसे जहरीले तत्व पाए जाते हैं, जिनसे बैक्टीरियल इंफेक्शन का भी खतरा हो सकता है। इनकी वजह से नाखून टूटने और बाल झड़ने की भी समस्या हो सकती है। बच्चों और बुजुर्गों को रंगों से ज्यादा नुकसान पहुंचता है, क्योंकि उनकी त्वचा संवेदनशील और पतली होती है।

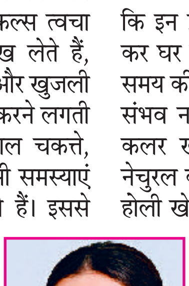

बचाव के उपाय: होली के दौरान त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए हल्दी, चुकंदर, अनार, हरसिंगार और पलाश के फूलों से बना प्राकृतिक रंग ही इस्तेमाल करें। बेहतर यही होगा कि इन प्राकृतिक तत्वों को उबाल कर घर पर खुद ही रंग तैयार करें। समय की कमी के कारण अगर ऐसा संभव न हो तो बाजार से रेडिमेड कलर खरीदते समय हर्बल और नेचुरल का लेबल जरूर चेक करें। होली खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल तेल और पेट्रोलियम जैली लगाएं। रंगों के असर से बचाव के लिए बालों में भी तेल लगाएं। ये चीजें त्वचा पर सुरक्षा कवच की तरह काम करती हैं, जिससे रंग त्वचा के भीतर गहराई तक घुस नहीं पाते। चेहरे के अलावा गर्दन और हाथ-पैरों का विशेष ध्यान रखें। होंठों और आंखों के आस-पास जैली लगाना न भूलें। होली खेलने के लिए घर से बाहर निकलते समय शरीर के खुले हिस्सों पर 50 प्रतिशत एसपीएफ पॉवर का सनस्क्रीन जरूर लगाएं, क्योंकि दिन के वक्त रंगों से होली खेलने पर त्वचा में जलन हो सकती है। रंगों से बचाव के लिए हमेशा फुल स्लीव्स की ड्रेस पहनें। नहाने के बाद एलोवेरा जैल या मॉयश्चराइजर लगाएं। खुजली या रैशेज हों तो एंटी एलर्जिक क्रीम लगाएं।

आंखों की ऐसे करें केयर: सूखे रंगों से आंखों के कॉर्निया में खरोंच आ सकती है। रंगों में मौजूद केमिकल्स से आंखों में जलन और खुजली हो सकती है। इसकी वजह से एलर्जिक कंजक्टिवाइटिस भी हो सकता है। गंभीर मामलों में केमिकल बर्न और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कैसे करें बचाव: अगर कोई आपके चेहरे पर रंग लगा रहा है तो उस वक्त अपनी आंखें बंद कर लें। होली खेलने से पहले सनग्लास पहनना न भूलें। आंखों के चारों तरफ मॉयश्चराइजर या नारियल तेल लगाएं, इससे त्वचा पर रंग नहीं चिपकता है। अगर आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत ठंडे पानी धो लें। आंखों को रगड़ें नहीं, इससे रंगों के कण बहुत गहराई से आंखों के भीतर चले जाते हैं। अगर आंखों में जलन हो रही हो तो ल्यूब्रिकेटेड आई ड्रॉप का इस्तेमाल फायदेमंद साबित होगा। अगर आपकी आंखों में कॉन्टेक्ट लेंस लगा है तो होली खेलने से पहले उसे बाहर निकाल लें। अगर इन प्रयासों के बाद भी जलन कम न हो तो आई स्पेशलिस्ट से सलाह लें। होली खेलते समय बच्चों का विशेष ख्याल रखें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगी तो आपके परिवार के लिए यह त्योहार सुरक्षित और खुशियों से भरा होगा। ❀

प्रस्तुति: विनीता

तब बनेंगी सभी महिलाएं सशक्त-खुशहाल

बदलाव की राह

चैतन्या

महिलाएं समाज को बहुत कुछ देती हैं। परिवार के लिए अपना जीवन अर्पित कर देती हैं। रिश्तों-नातों को सहेजते हुए खुद अपने आप की अनदेखी तक कर देती हैं। आर्थिक मोर्चे पर भी अपनों की जरूरतों के आगे मन की हर इच्छा को दोयम दर्जे पर रख देती हैं। बहुत सी स्त्रियां करियर छोड़ केवल घर-आंगन तक सिमट जाती हैं। हर भूमिका में स्त्रियां अपनों को भावनात्मक सहारा देती हैं। स्त्रियां आमतौर पर देने वाले पाले में ही रहती हैं। जरूरी है कि समाज, परिवार, रिश्तेदार, मित्र और सहकर्मी उनके लिए भी कुछ करने की सोचें। औपचारिकता भर नहीं बल्कि मन से महिलाओं के जीवन से जुड़े हर पहलू को बेहतर बनाने में हेल्पफुल बनें। याद रहे कि स्त्रियों की इस बेहतरी से समग्र समाज की बेहतरी भी जुड़ी है। इस साल इंटरनेशनल वुमेंस-डे (8 मार्च) की थीम 'गिव टू गेन' है। यह विषय महिलाओं की सहजता के लिए देने या कुछ करने के व्यापक असर पर बल देता है।

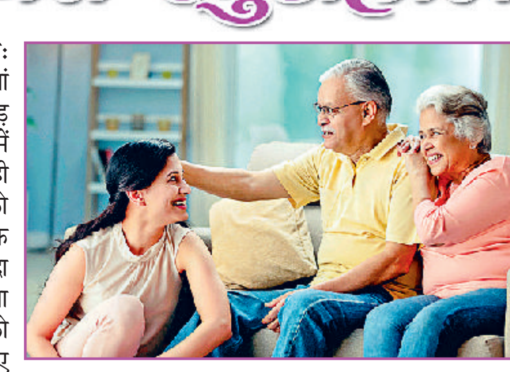

समर्थन और सराहना: घर हो या बाहर, स्त्रियां अकसर अकेली पड़ जाती हैं। मुश्किल घड़ी में भी पूर्वाग्रही सोच से ही उनके व्यक्तित्व को आंका जाता है। उनके फैसलों को तयशुदा समझ से जज किया जाता है। ऐसे में स्त्रियों को कुछ देने या उनके लिए कुछ करने की सोच समर्थन या सराहना के बिना अधूरी है। ऐसे में महिला दिवस की थीम 'गिव टू गेन' सभी को अपने विचार-व्यवहार का रिव्यू करने का आह्वान करती है। वर्कप्लेस से लेकर घर के आंगन तक, स्त्रियों के प्रति उदार बनने का संदेश देती हैं। उनकी भूमिका और भागदौड़ की सराहना करने की सोच जगाने वाली है।

संसाधन और सुरक्षा: महिलाओं के लिए हालात कई मोर्चों पर उलझाऊ हैं। कहीं काम करने के अवसर हैं तो सुरक्षित माहौल नहीं। जहां सेफ्टी है वहां सही अवसर नहीं हैं। नई शुरुआत के लिए जगह हो या धन, अपनी मर्जी से उपयोग कर लेने के हालात आज भी आम नहीं हैं। यही वजह है कि 'गिव टू गेन' का भाव संसाधन और सुरक्षा के मामले में आवश्यक है। इसीलिए महिलाओं को सुरक्षा और संसाधन दीजिए, ताकि वे अपनी काबिलीयत को सिद्ध कर सकें। थोड़े से सहयोग और अपनी योग्यता के बूते नवाचार करने वाली महिलाएं समाज-परिवार ही नहीं राष्ट्र को भी सशक्त बनाती हैं।

शिक्षा और समानता: बेटियों को बेटों के समान ही पढ़ने-लिखने का हक और माहौल देना तरक्की की साझी सोच की बुनियाद है। इस वर्ष की थीम असल में 'मेरा' से 'हमारा' के विचार को अपनाने पर बल देने वाली है। यह विषय कहता है कि इक्वेलिटी का वह परिवेश बने जिसमें समय, सहानुभूति और खुद को साबित करने का मौका सभी के हिस्से आए। हमारे यहां महिलाओं के साथ आज भी कार्यस्थल पर समान व्यवहार नहीं किया जाता। घरेलू जिम्मेदारियों को अकेले ही उठाने के चलते कामकाज के सही मौके उनकी झोली में नहीं आते। ऐसे में सभी के लिए बहुत जरूरी है कि बहू-बेटियों को बराबरी के अवसर देते हुए खुलकर जीने का स्पेस दें। ❀

बीते कुछ दशकों में स्त्रियों के जीवन में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। संघर्ष से शुरू हुई उनकी यह यात्रा अब सृजन के नित नए आयाम गढ़ रही है।

बदलता स्त्री-जीवन संघर्ष से सृजन की यात्रा

नया दौर

अलका 'सोनी'

समकालीन समय में स्त्रियों का जीवन बहुआयामी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसे हर जगह देखा और महसूस किया जा सकता है। यह सुखद परिवर्तन केवल स्त्री की बदलती बाहरी भूमिकाओं में ही नहीं, बल्कि मानसिकता, आत्मविश्वास और आत्मस्वीकृति का भी है। आज की स्त्री घर की चारदीवारी से निकलकर कार्यस्थलों, राजनीति, विज्ञान, साहित्य और कला जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। परंतु परिवर्तन की उनकी इस यात्रा में संघर्ष, संतुलन और आत्मसंवाद की लंबी प्रक्रिया शामिल होती है। जिसे पार करते हुए वे आज अपनी सफलता की कहानी खुद ही बयां कर रही हैं।

सपनों की नई परिभाषा: पहले स्त्री के सपनों को परिवार की अपेक्षाओं के अनुरूप आकार दिया जाता था। वे जिम्मेदारियों से लदी नजर आतीं थीं। उनके लिए, अपने बारे में सोचना जैसे निषिद्ध था। लेकिन आज वे अपने सपनों को स्वयं परिभाषित कर रही हैं।

शिक्षा ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करना चाहती हैं, चाहे वह करियर का चयन हो, विवाह का निर्णय हो या मातृत्व का समय।

जिम्मेदारियों का दोहरा दायित्व: हालांकि परिवर्तन के इस दौर में स्त्री पर जिम्मेदारियों का भार बढ़ा ही है। घर और बाहर के बीच 'वर्क-पर्सनल लाइफ बैलेंस' उनके लिए रोज का अभ्यास है। यह दोहरा दायित्व कई बार मानसिक दबाव उत्पन्न करता है, किंतु यही दबाव उसे अधिक संगठित, संवेदनशील और दृढ़ भी बनाता है।

डिजिटली भी हैं एक्टिव: हमेशा से चुप और सिमटी रहने वाली स्त्रियों को सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों ने अभिव्यक्ति का नया माध्यम दिया है। अब उनकी आवाज सीमित दायरे तक नहीं रहती। उनकी गूंज हर तरफ सुनाई देती है। वे अपने अनुभव, विचार और रचनात्मकता को व्यापक रूप से समाज तक पहुंचा सकती हैं। इससे एक सामूहिक चेतना का निर्माण हो रहा है, जहां स्त्रियां एक-दूसरे के संघर्ष और उपलब्धियों से प्रेरणा लेती हैं। उनके सामने जानकारियों का एक नया संसार खुल रहा है। हालांकि अब भी यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि सब कुछ बदल गया है। लैंगिक असमानता, कार्यस्थल पर भेदभाव, घरेलू हिंसा और रूढ़िगत सोच अब भी मौजूद हैं। लेकिन आशा की किरण यह है कि अब स्त्री इन चुनौतियों को नियति मानकर स्वीकार नहीं करती। वह समाधान खोजती है और आवाज भी बुलंद करती है। ❀

खबर संक्षेप

महिला के बैग से 7 हजार की नकदी चोरी

सिरसा। शहर के बाजार में एक महिला के बैग से सरेआम जेब काट ली गई और करीब सात हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली। महिला अपने घर से लाल बत्ती चौक के पास हॉस्पिटल के पास आई थी। उसी वक्त रास्ते में किसी ने उसकी जेब काटी गई। महिला का शक है कि एक महिला उसके पीछे करते हुए आ रही थी और उसी ने ये वारदात की है। बाद में उस महिला का कोई पता नहीं चला। पुलिस को दी शिकायत में शहर की सुभाष कॉलोनी की महिला मधु रानी ने बताया कि बीते दिवस सुभाष चौक से लालबत्ती चौक बीएस मेडिकॉज के पास हॉस्पिटल के लिए ई-रिक्शा में सवार होकर आ रही थी।

कालांवाली में कबाड़ी से छीनाझपटी

सिरसा। कालांवाली में कबाड़ का काम करने वाले से तलवार के बल पर छीनाझपटी की वारदात हो गई। कबाड़ी ने ये घटना गांव वालों को बताई तो सभी दंग रह गए। गांव के रहने वाले दो युवक उसे सामान बेचने की बात कहकर अपने घर ले गए। वहां ले जाकर एक ने गले पर हथियार रख दिया और दूसरे ने जेब से पैसे छीन लिए।

स्वर्णकार संघ चुनाव में 6 उम्मीदवार मैदान में

सिरसा। स्वर्णकार समाज के जिला प्रधान के चुनाव आगामी 8 मार्च को सोनी धर्मशाला में आयोजित किए जाएंगे। चुनाव कमेटी के वाइस चेयरमैन सुखविंद्र सोनी व पूर्व तहसील प्रधान व सदस्य चुनाव कमेटी लीलाधर सोनी ने संयुक्त रूप से बताया कि जिला प्रधान पद के लिए अब तक सात उम्मीदवारों सज्जन सोनी सिरसा, विजय सोनी ऐलनाबाद, राजेश सोनी सिरसा, दीपक छापरवाल माधोसिंघाना, अमर सिंह भामा चोपटा, दीपक सोनी बूटन सिरसा व राहुल सोनी ऐलनाबाद ने चुनाव कमेटी को जिला अध्यक्ष के लिए अपना नामांकन पत्र 21000 की राशि सहित नामांकन दाखिल किए, जिसमें से विजय सोनी ऐलनाबाद ने अपना नामांकन वापस ले लिया है।

एनएसएस स्वयं सेवकों ने किया शानदार प्रदर्शन

फतेहाबाद। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा द्वारा 21 से 27 फरवरी तक आयोजित सात दिवसीय राज्य स्तरीय कैंप का आयोजन किया गया। इस कैम्प में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा सीडीएलयू से संबंधित महाविद्यालयों के 200 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। इस कैंप का थीम यूथ फॉर माय भारत एवं डिजिटल लिटरेसी था, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना तथा डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना था।

हिंदू एक व्यापक जीवन शैली: साध्वी संतोष

सिरसा। शहर के गांधी कॉलोनी के महादेव मंदिर में आयोजित हिंदु सम्मेलन में साध्वी संतोष भारती ने कहा कि हिंदू होना केवल एक धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि व्यापक जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक कई लोग स्वयं को हिंदू कहने में संकोच करते थे, यह सोचकर कि इससे सौहार्द प्रभावित हो सकता है, लेकिन हिंदुत्व का मूल भाव सहिष्णुता और विविधता को स्वीकार करना है। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व में विविध परंपराएं, दर्शन, योग, भक्ति, कर्म और ज्ञान के मार्ग शामिल हैं। वेद, उपनिषद और भगवद गीता जैसे ग्रंथों का इसमें महत्वपूर्ण स्थान है।

झीनाझपटी वारदात का वांछित भगोड़ा काबू

सिरसा। पुलिस ने मोबाइल छीना-झपटी की वारदात को अंजाम देने वाला वांछित भगोड़े आरोपी को सरदुलगढ़ पंजाब क्षेत्र से काबू कर लिया है। प्रभारी इंस्पेक्टर जनक राज ने बताया कि वाछिंत आरोपी ने अंबेडकर चौक सिरसा के नजदीक एक युवक का मोबाइल छीनकर मौका से फरार हो गया था। आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरु की गई थी। जांच के दौरान सिविल लाइन थाना में आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर दिया था।

'जनगणना से जनकल्याण' की थीम पर पहली बार डिजिटल प्रणाली से होगा कार्य

जनगणना के पहले चरण में 1 मई से शुरू होगी मकानों की गिनती

- दूसरे चरण में 9 फरवरी 2027 से जनसंख्या गणना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीसी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जिला में जनगणना से जनकल्याण की थीम पर पहली बार पूर्णतः डिजिटल प्रणाली से जनगणना-2027 का कार्य किया जाएगा। यह केवल आंकड़ों का संकलन नहीं बल्कि आगामी दशक की विकास नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत संरचना की रूपरेखा तय करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। सोमवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डीसी डॉ. भारती ने बताया कि जनगणना कार्य को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत क्रियान्वित किया जाएगा।

फतेहाबाद। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती। *फोटो : हरिभूमि*

दो चरणों में होगी जनगणना, पहली बार मिलेगा सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प

डीसी ने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहला चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 से 30 मई 2026 तक होगा। दूसरा चरण में जनसंख्या गणना 9 फरवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी। इस बार नागरिकों को 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक सेल्फ-एन्यूमरेशन (स्व-गणना) का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा। नागरिक निर्धारित ऑनलाइन पोर्टल या मोबाइल एप के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। जानकारी सबमिट करने पर उन्हें एसएमएस व ई-मेल के जरिए एक विशिष्ट सेल्फ-एन्यूमरेशन आईडी प्राप्त होगी। गणनाकर्मी मौके पर पहुंचकर केवल जानकारी का सत्यापन करेंगे, जिससे समय की बचत और आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होगा।

32 प्रश्नों के जवाब पूछेंगे फील्ड वर्कर

डीसी ने बताया कि इस बार गणनाकर्मी विशेष हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करेंगे, जिसे उनके पंजीकृत निजी मोबाइल उपकरणों पर इंस्टॉल किया जाएगा। यह एप ऑफलाइन मोड में भी कार्य करेगा, जिससे नेटवर्क-विहीन क्षेत्रों में भी कार्य बाधित नहीं होगा। नेटवर्क उपलब्ध होते ही डाटा स्वतः सिंक्रोनाइज हो जाएगा। एप एंड्रॉयड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। रियल-टाइम मॉनिटरिंग, तकनीक आधारित डैशबोर्ड और सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक स्तर पर प्रगति की सतत निगरानी की जाएगी। सभी चार्ज अधिकारियों को आईडी जारी की जा चुकी है तथा 32 फील्ड ट्रेनर्स सहित सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं।

अधिकारियों की अहम भूमिका

डीसी ने कहा कि एसडीएम, तहसीलदार, नगर परिषद, नगरपालिकाओं और अन्य विभागीय अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन, प्रगणकों व पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण, जिले का शत-प्रतिशत कवरेज तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े नीति निर्माण और विकास योजनाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवसर पर नगराधीश गौरव गुप्ता, डीआईपीआरओ दिनेश कुमार, जिला जनगणना कोऑर्डिनेटर मेघा, सांख्यिकी अधिकारी प्रवीण, कार्यकारी अभियंता देवेन्द्र सिंह, एआईपीआरओ डॉ. विनय बैनीवाल व नरेंद्र सोनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सिरसा। बाजारों में गश्त करती पुलिस टीम। *फोटो : हरिभूमि*

हुड़दंगियों पर रहेगी नजर

- 850 से ज्यादा पुलिस जवान रखेंगे घटनाक्रम पर नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

होली की आड़ में हुड़दंगबाजी करने वालों को सबक सिखाने के लिए सिरसा पुलिस पूरी तरह से तैयार है। पुलिस के 850 से अधिक जवान पूरे घटनाक्रम पर नजर रखेंगे और हुड़दंगाजी करने वालों के साथ सख्ती से पेश आएंगे। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारन ने पुलिस अधिकारियों व जवानों को पूरी तरह से अलर्ट रहने के लिए कहा है। कहा गया है कि होली के अवसर पर हुड़दंग, तेज रफ्तार वाहन चलाने, बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे छोडक़र दहशत फैलाने तथा शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जिला के सभी कस्बों, नैशनल हाईवे तथा मुख्य मार्गों पर विशेष नाकाबंदी कर चैकिंग अभियान चलाया जाएगा। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहन जांच की जाएगी। असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने और उन पर पैनी नजर रखने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है।

21 नाके लगाए

भीड़भाड़ वाले बाजारों में वर्दीधारी पुलिस कर्मियों के अतिरिक्त सादी वर्दी में भी पुलिस तैनात रहेगी। जहां महिलाओं का अधिक आवागमन रहेगा, वहां महिला पुलिस कर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निबटने के लिए 850 पुलिस के जवान संभालगें सुरक्षा का जिम्मा, जिला के अंदर व बाहर प्रत्येक व्यक्ति की गहनता से चेकिंग करने के लिए 21 नाके लगाए गए है जो प्रत्येक व्यक्ति की गहनता से तलासी ली जाएगी। इसके अलावा 67 पीसीआर व ईआरवी सहित 30 राइडर लगातार शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की टीमें निरंतर गश्त करती रहेंगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

भैंस चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

एक भैंस व पिकअप गाड़ी बरामद

फतेहाबाद। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने भैंस चोरी के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक भैंस तथा वारदात में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी बरामद की है। थाना प्रभारी प्रहलाद ने बताया कि शिकायतकर्ता अजीत कुमार पुत्र रामनरेश निवासी ढाणी शेखवाली, जिला फतेहाबाद ने बताया कि उसकी शादी 7 मार्च को होनी है। उसने अपनी भैंस पड़ोसी बलविंद्र सिंह पुत्र बग्गा सिंह निवासी ढाणी शेखवाली के घर पर बांध रखी थी। 28 फरवरी की रात अज्ञात व्यक्ति भैंस को चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस चौकी दरियापुर द्वारा कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी पवन कुमार तथा शांति कुमार निवासी ढाणी शेखांवाली को काबू किया।

दर्शन गर्ग टीम के साथ पहुंचे कार्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रतिया व्यापार मंडल के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दर्शन गर्ग अपने पदाधिकारियों के साथ भूना रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे। उन्होंने जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान व्यापारियों से जुड़े स्थानीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष प्रवीन जोड़ा ने कहा कि रतिया व्यापार मंडल का सर्वसम्मति से चुनाव यह दर्शाता है कि व्यापारी वर्ग स्थिर नेतृत्व, पारदर्शिता और विकास की राजनीति में विश्वास रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र तथा हरियाणा सरकार ने व्यापारियों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। व्यवसाय को सरल बनाने, टैक्स प्रणाली को पारदर्शी करने, डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने और छोटे व्यापारियों को सशक्त बनाने के अनेक कदम उठाए गए हैं। भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर चलते हुए व्यापारी वर्ग को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण भागीदार मानती है। इस मौके पर भाजपा नेता अशोक जाखड़, सविता टुटेजा, कंवल चौधरी, रामकुमार मेहरा, बिसला पूर्व सरपंच बलवंत, राजू लाली, प्रदीप गोयल, प्रिंस गर्ग, अंकित सिंगला, शिव वधवा, सुरेश सिंगला, अजय कुमार, गौरव गर्ग आदि मौजूद रहे।

फतेहाबाद। रतिया व्यापार मंडल पदाधिकारियों को बधाई देते बीजेपी जिलाध्यक्ष। *फोटो : हरिभूमि*

सोशल मीडिया पर अपराध को बढ़ावा दिया तो हागी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- 20 फोलोवर को अपराध शाखा फतेहाबाद कार्यालय में तलब किया

जिला पुलिस द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि अपराधियों द्वारा फॉलोवर बढ़ाकर अपराध को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। इसी क्रम में सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल के नेतृत्व में विशेष कार्रवाई अमल में लाई गई। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के दौरान इंस्टाग्राम आईडी के माध्यम से संदिग्ध एवं अपराध को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियां सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए उक्त आईडी से जुड़े 20 फोलोवर को अपराध शाखा फतेहाबाद कार्यालय में तलब किया गया।

कार्रवाई के दौरान उपस्थित सभी व्यक्तियों को सोशल मीडिया के दुरुपयोग से होने वाले कानूनी परिणामों एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। उनके समक्ष ही संबंधित इंस्टाग्राम आईडी को अनफॉलो कर ब्लॉक करवाया गया। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई। सभी व्यक्तियों के बयान विधिवत दर्ज किए गए तथा उनकी संबंधित सोशल मीडिया आईडी की जानकारी पुलिस द्वारा हासिल की गई। सभी 20 व्यक्ति गांव जमालपुर शेखां तथा आकांवली क्षेत्र से थे। इन लोगों को कहा गया कि वे अपने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करें।

फतेहाबाद। सीआईए द्वारा तलब किए गए सोशल मीडिया फोलोवर। *फोटो : हरिभूमि*

घग्गर पुल के पास हेरोइन सहित एक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने घग्गर पुल के पास से एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि एएसआई पवन कुमार पुलिस टीम के साथ बुढलाडा रोड की ओर गश्त पर थे। इसी दौरान घग्गर पुल के पास एक युवक पुलिस वाहन को देखकर घबराकर वापस मुडने लगा। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की। आरोपी की पहचान रमणदीप सिंह उर्फ कालू पुत्र मगतराम निवासी टिब्बा कॉलोनी, रतिया के रूप में हुई। तलाशी लेने पर आरोपी की लोअर की जेब से एक पारदर्शी पाउच बरामद हुआ। पाउच की जांच करने पर उसमें 6.76 ग्राम हेरोइन पाई गई। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

रॉयल स्कूल खाराखेड़ी में होली के अवसर पर रंगोत्सव कार्यक्रम की धूम

फतेहाबाद। गांव खाराखेड़ी स्थित रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में होली के अवसर पर रंगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फतेहाबाद जिला परिषद अध्यक्षा सुमन सुभाष खीचड़ तथा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी अनूप सिंह ने भाग लिया। स्कूल निदेशिका डॉ. ज्योत्स्ना, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डॉ. डीवी नेहरा, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, प्रधानाचार्या जानूप्रिया कथूरिया, सीनियर कोऑर्डिनेटर पूनम बिश्नोई ने मुख्य अतिथियों का स्वागत किया।

न्यूज डायरी

स्थानीय नेहरू पार्क में विराट हिंदू सम्मेलन मनाया

सिरसा। स्थानीय नेहरू पार्क में विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन के संयोजक विकास परूथी ने बताया कि कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि ललित जैन, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में कालांवाली से राजीव ने शिरकत की तथा बृजमोहन शर्मा, सुरेश तायल, सतीश मित्तल व राजेंद्र लाडवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। मुख्य वक्ता राजीव ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य हिन्दू समाज को संगठित करना और जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है और संघ समाज को मानव निर्माण और देश के विकास की दिशा में मार्गदर्शन करता है। समाजसेवी ललित जैन ने कहा कि आज दुनियां युद्ध की चपेट में है। ऐसे में सभी की निगाहें भारत की ओर हैं, क्योंकि भारत शांति का पुजारी है। इस मौके पर सेवा भारती के बच्चों ने अनेक देशभक्ति के गीत व महेश गोकुल ने नशे पर गीत गाकर उपस्थिति को भाव विभोर कर दिया।

हैफेड के अनुबंधित कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

सिरसा। हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ के अनुबंधित कर्मचारियों को नौकरी सुरक्षा अधिनियम में सम्मिलित करने को लेकर कर्मचारियों ने भाजपा नेता रोहताश जांगड़ा को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने आए रामकिशन, अजीत, संदीप, भाल सिंह, मनीराम, मनीराम, मोहित शर्मा, सुरेश कुमार ने बताया कि सभी अनुबंधित कर्मचारी हरियाणा राज्य सहकारी आपूर्ति एवं विपणन संघ के अधीन पिछले कई वर्षों से अपना कर्तव्य पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कर रहे हैं। हरियाणा सरकार द्वारा अगस्त 2024 में हरियाणा सरकार के अधीन सभी विभागों एवं विपणन संघ में पिछले पांच वर्ष से कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों को नौकरी सुरक्षा देने की घोषणा की गई थी, जिसे हरियाणा सरकार ने अपने वादे के अनुसार जनवरी 2026 में लागू करके कर्मचारियों को समायोजित करने का कार्य भी शुरू कर दिया है, लेकिन हैफेड विभाग का नाम इस नौकरी सुरक्षा पोर्टल में नहीं दर्शाया गया है।

बजट में बढ़ते कर्ज पर खामोशी : सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट दिशाहीन, आंकड़ों का खेल और बढ़ते कर्ज पर पर्दा डालने वाला दस्तावेज है। मीडिया को जारी एक बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि उन्होंने कहा कि सरकार 10.28 प्रतिशत बजट वृद्धि का दावा कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। केवल बजट का आकार बढ़ाना उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह देखना आवश्यक है कि उस धन का वास्तविक लाभ आम जनता तक कितना पहुंचेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह बजट हरियाणा की मूल समस्याओं से ध्यान हटाकर प्रस्तुत किया गया है। प्रदेश आज जल संकट और प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। घग्गर और यमुना नदियों में बढ़ते प्रदूषण को रोकने और उन्हें साफ करने के लिए कोई ठोस, समयबद्ध और प्रभावी योजना सामने नहीं रखी गई।

जनसंगठनों ने मजदूरों के समर्थन में जताया रोष

फतेहाबाद। आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के मजदूरों के समर्थन में ज्ञापन सौंपते जनसंगठनों के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आईओसीएल पानीपत रिफाइनरी के आंदोलनरत मजदूरों की मांगों के समर्थन में फतेहाबाद में सर्व कर्मचारी संघ, सीआईटीयू, किसान सभा, आल इंडिया लायर्ज बार एसोसिएशन सहित विभिन्न जन संगठनों ने डीसी कार्यालय पर रोष जताया। मजदूरों के शोषण के खिलाफ रोष जताते हुए जनसंगठनों ने सीटीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम मांग पत्र सौंपकर आंदोलनरत मजदूरों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब मजदूरों ने अपनी जायज मांगों के लिए आवाज उठाई, तो प्रबंधन और ठेकेदारों ने बातचीत के बजाय आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया। सुरजीत सिंह व ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि पानीपत रिफाइनरी के विस्तार कार्य में लगे लगभग 30 हजार ठेका मजदूरों की स्थिति दयनीय बनी हुई है। ये मजदूर बीते 23 फरवरी से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। संगठन नेताओं ने आरोप लगाया कि रिफाइनरी प्रबंधन और ठेका कंपनियां मौजूदा श्रम कानूनों का खुलेआम उल्लंघन कर रही हैं।

इन्होंने सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुरजीत ढुसाद, सचिव रामनिवास शर्मा, ब्लॉक कैशियर प्रेमचन्द वर्मा, सीटू नेता बेगराज, ओमप्रकाश अनेजा, मदन सिंह, किसान सभा से जगतार सिंह, सचिव राजेन्द्र कुमार बाटू, छत्रपाल सिंह, आल इंडिया लॉयर्ज एसोसिएशन से देवीलाल एडवोकेट, शाहनवाज एडवोकेट, मलकीत सिंह एडवोकेट, डीवाईएफआई के जिला प्रधान पवन कुमार भूथन के नेतृत्व में सौंपा गया।

कार्यक्रम ठाकर बस्ती स्थित एसएस जैन सभा में 'होली-चतुर्मासी महापर्व' का आगाज

होलिका दहन पर आत्म-चिंतन करें, मन की गांठें खोलकर मनाएं 'शुद्ध होली' : अरुणचन्द्र महाराज

- गुरुदेव ने सभी को प्रेम और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने का आशीर्वाद दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

ठाकर बस्ती स्थित एसएस जैन सभा में 'होली-चतुर्मासी महापर्व' के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आगम के प्रकाण्ड ज्ञाता, योगीराज गुरुदेव अरुणचन्द्र महाराज ने जीवन सुधार और आध्यात्मिक शुद्धि का संदेश दिया। इस अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

अरूणचन्द्र महाराज ने अपने प्रवचनों में फरमाया कि चतुर्मासी का पर्व उन लोगों के लिए विशेष है जो शाकाहारी हैं और जो अपना कल्याण कर बुराइयों से मुक्त होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हर चार महीने में आने वाला यह त्योहार आत्म-निरीक्षण का दिन है। इस दिन हमें यह आकलन करना चाहिए कि गत चार मास में हमने आध्यात्मिक रूप से क्या पाया और क्या गंवाया है। उन्होंने कहा कि कि यहां धन-दौलत के लाभ की बात नहीं हो रही, अपितु यह जानने योग्य है कि हमारे भीतर विकारों की कितनी गांठें कम हुई हैं? वे पहले से बढ़ी हैं या घटी हैं, इसका हिसाब लगाना ही सच्ची चतुर्मासी है।

होली के पर्व का मधुर संदेश देते हुए गुरुदेव ने कहा कि 'होली सो होली', अर्थात जो भूतकाल में हो गया उसे भुलाकर आज नई शुरुआत करें। पिछली बातों पर कांटा लगाकर मन को हल्का कर लेना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि जिनसे भी आपकी अनबन या मनमुटाव है, उनसे आज हृदय से क्षमायाचना कर लें और निडर होकर 'आई एम वैरी सॉरी' कहें। गुरुदेव ने होली मनाने के तरीके पर मार्गदर्शन देते हुए दो मुख्य बातों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है। पानी को व्यर्थ न गंवाएं और सूखे रंगों (गुलाल) के साथ तिलक लगाकर उत्सव मनाएं। मादक पदार्थों का सेवन स्वास्थ्य के लिए घातक है। पर्व मनाते समय अपनी सेहत का ख्याल रखें और नशे से पूरी तरह दूर रहकर 'शुद्ध होली' मनाएं। प्रवचन के अंत में गुरुदेव ने सभी को प्रेम और भाईचारे के साथ सादगीपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने का आशीर्वाद दिया।

फतेहाबाद। एसएस जैन सभा में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुगण।

होलिका पूजन कर मांगी सुख समृद्धि की कामना

सिरसा। होली पर्व जिला भर में प्रसन्नतापूर्वक व श्रद्धा से मनाया गया। शहर में सोमवार को कई स्थानों पर होलिका स्थापित की गई। महिलाओं ने घरों में पकवान बनाकर और गोबर के बने बडक़ूलों से होलिका पूजन कर सुख समृद्धि की कामना की। होली पर्व को लेकर शहर के मुख्य चौराहों गोल डिग्गी चौक, पटेल बस्ती, भगतसिंह चौक, गौशाला मोहल्ला, शिव चौक, अग्रसेन कॉलोनी, घंटाघर चौक, नोहरिया बाजार, अनाज मंडी, बी-ब्लॉक, बरनाला रोड, हिसार रोड, कंगनपुर रोड, हुडा सेक्टर सहित अनेक जगहों पर सोमवार सुबह पूजा अर्चना के साथ प्रहलाद भगत और होलिका स्थापित की गई। होली पर्व को लेकर लोगों ने घरों में पकवान बनाए। साथ ही गोबर के बने चांद, सूरज, नारियल, सितारे आदि बडक़ूले बनाकर उन्हे माला में पिरोकर होलिका की पूजा अर्चना की। महिलाएं जहां होलिका स्थापित की गई थी वहां पर घर में बने पकवान के साथ बडक़ूले ले जाकर पूजा अर्चना कर होलिका पर चढ़ाए। बाद में कच्चे सूत व मोली के साथ होलिका की परिक्रमा कर घर में सुख समृद्धि की कामना की। रात को साढ़ आठ बजे होलिका दहन किया गया। इससे पूर्व ब्राह्मण ने पूजा अर्चना करवाई। बाद में होलिका दहन किया गया। होलिका में स्थापित किया गया प्रहलाद भगत जलने से पूर्व लोगों द्वारा बाहर निकाल लिया गया। लोगों ने होली की आग में हरे चने और गेहूं की बल्लियां भूनी और होली में जले गोबर के बडक़ूले अपने घरों में लेकर गए। मान्यता है कि होली की आग में घर में धूप की जाए तो घर में सुख सुमृद्धि आती है। इसके अलावा डबवाली, ऐलनाबाद, रानियां, कालांवाली, डिंग मंडी व नाथुसरी चोपटा क्षेत्र में भी होली पर्व मनाया गया।

बच्चों ने की खरीददारी: वहीं बाजारों में होली को लेकर अनेक दुकानें भी रंग गुलाल व पिचकारियों से सज गई। बच्चे अपने अभिभावकों के साथ बाजारों में रंग, गुलाल, अबीर, गुब्बारे व रंग बिरंगी पिचकारियां खरीदने में व्यस्त रहे।

नया डायलिसिस केंद्र, ईएसआई डिस्पेंसरी, वेस्ट-टू-एनर्जी कचरा प्रबंधन प्लांट की घोषणा, भट्टू सीएचसी में 24 घंटे मिलेगी सिजेरियन सेवाएं

बजट में महिलाओं के लिए खुला पिटारा, वीटा बूथ, एटीएस व गाड़ी खरीदने पर मिलेगी छूट

फतेहाबाद के लिए सरकार ने खोला घोषणाओं का पिटारा जिले को मिलेगी नई जेल की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्तमंत्री के रूप में सरकार का वर्ष 2026-27 का नया बजट पेश किया। आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार ने 2.23 लाख करोड़ का प्रावधान किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.28 प्रतिशत ज्यादा है। बीते वर्ष 223658.17 करोड़ का बजट पेश किया गया था। इस बजट को जहां सत्तापक्ष ने सराहा है तो विपक्ष ने इसे निराशाजनक बताते हुए सरकार की घोषणाओं को खोखला बताया है। दरअसल इस बजट में सरकार ने महिलाओं को खास तवज्जो दी है। खेल और स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा गया है। इसे गरीब व मध्यम वर्गीय परिवारों को लुभाने वाला बजट कहा जा सकता है।

आज के बजट में सीएम ने महिलाओं के लिए पिटारा खोल दिया है, जिसमें वीटा बूथ खोलने में महिलाओं को आरक्षण, एटीएस में महिला कमांडो की भर्ती व गाड़ी खरीदने पर महिलाओं को छूट शामिल हैं। इसके अलावा लाडो लक्ष्मी योजना में बजट बढ़ाकर महिलाओं को लखपति दीदी बनाने व पिंक कैब योजना भी इसमें शामिल हैं। इतना ही नहीं, महिला एवं बाल विकास के बजट में बढ़ोतरी, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अपग्रेड करने जैसे महत्वपूर्ण ऐलान किए गए हैं। सीएम ने पहली बार जिले के भूना में डबल शिफ्ट में लगने वाले स्कूल को सिंगल शिफ्ट करने का प्रावधान किया है। खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए फतेहाबाद सहित प्रदेश में 21 नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत फतेहाबाद जिले के भट्टूकलां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एफआरयू के रूप में अपग्रेड किया जाएगा, जहां 24 घंटे सातों दिन सिजेरियन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ ही नया डायलिसिस केंद्र तथा ईएसआई डिस्पेंसरी फतेहाबाद के लिए भी बजट में घोषणा की गई है। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए फतेहाबाद के अलावा जींद, हिसार में वेस्ट-टू-एनर्जी कचरा प्रबंधन प्लांट स्थापित किए जाएंगे। फतेहाबाद जिले में नई जिला जेल बनाने का प्रस्ताव भी बजट में रखा गया है, जिससे जेल प्रशासन को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

औद्योगिक विकास को लगेंगे पंख, 500 करोड़ से सुधरेगा इंफ्रास्ट्रक्चर : वेद फुटेला

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं चेयरमैन वेद फुटेला ने बजट को दूरदर्शी बताते हुए विशेष रूप से फतेहाबाद जिले के लिए बड़ी सौगात करार दिया है। उनका कहना है कि बजट में फतेहाबाद को प्रदेश के उन 10 प्रमुख शहरों में शामिल किया गया है, जिनके पुराने औद्योगिक क्षेत्रों के सुधार हेतु 500 करोड़ का विशेष फंड निर्धारित किया गया है। इस बजट प्रावधान से औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों, सीवरेज, जल निकासी और बिजली जैसी आधारभूत सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होने से स्थानीय उद्योगों को नई ऊर्जा मिलेगी और निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। वेद फुटेला ने कहा कि हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय का 3.95 लाख तक पहुंचना प्रदेश की आर्थिक मजबूती का ठोस प्रमाण है। किसानों के हित में हरियाणा एग्री डिस्कॉम नाम से नई बिजली कंपनी/बोर्ड के गठन की घोषणा एक क्रांतिकारी कदम है। इससे किसानों को ट्यूबवेल कनेक्शन मिलने में तेजी आएगी। प्रदेश के 5084 कृषि फीडरों और लाखों उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त बनेगी। तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा है। साथ ही इनोवेशन चैलेंज की शुरुआत, हरियाणा को टेक-हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। मेक इन हरियाणा नीति के तहत एम्प्लॉयमेंट सब्सिडी को बढ़ाकर एक लाख प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष करना रोजगार सृजन में मील का पत्थर साबित होगा।

लोकहितैषी एवं संतुलित विकास पर आधारित है हरियाणा राज्य का नया बजट : जोड़ा

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने बजट को लोकहितैषी एवं संतुलित विकास पर आधारित बताते हुए कहा कि यह बजट किसान, युवा, महिला, श्रमिक, व्यापारी और शहरी-ग्रामीण सभी वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा को ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का स्पष्ट लक्ष्य तय किया गया है। प्रवीण जोड़ा ने बताया कि बजट में किसानों के हित में अलग से बिजली निगम बनाने का प्रावधान किया गया है, जिससे प्रदेश के लगभग 7 लाख किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए फतेहाबाद सहित प्रदेश में 21 नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। शहरी विकास की दिशा में शहरों में 150 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन बिछाने का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के तहत फतेहाबाद जिले के भट्टू कलां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एफआरयू के रूप में अपग्रेड किया जाएगा, जहां 24 घंटे सातों दिन सिजेरियन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इसके साथ ही नया डायलिसिस केंद्र तथा ईएसआई डिस्पेंसरी फतेहाबाद के लिए भी बजट में घोषणा की गई है। फतेहाबाद जिले में नई जिला जेल बनाने का प्रस्ताव भी बजट में रखा गया है, जिससे जेल प्रशासन को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। इसके अलावा सोनीपत, हिसार, अम्बाला, यमुनानगर, सिरसा व फतेहाबाद सहित अन्य शहरों में बेहतर विकास ढांचे के लिए 500 करोड़ रुपये का विशेष सक्षम फंड भी प्रस्तावित किया गया है।

विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने वाला ऐतिहासिक बजट : बराला

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किए गए बजट को ऐतिहासिक, विकासोन्मुखी एवं जनकल्याणकारी करार देते हुए कहा कि यह बजट केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास की स्पष्ट दिशा, मजबूत आर्थिक प्रबंधन और जनभागीदारी का प्रमाण है। बजट पूर्व परामर्श में प्राप्त लगभग 5000 सुझावों को शामिल करना सरकार की पारदर्शिता और संवेदनशीलता को दर्शाता है। सांसद ने कहा कि कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक कृषि तकनीकों को प्रोत्साहन, फसल विविधीकरण और किसानों की आय बढ़ाने से जुड़े प्रावधानों पर विशेष बल दिया गया है। यह बजट किसान हितैषी सोच का परिचायक है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। बराला ने कहा कि यह बजट विकसित भारत-विकसित हरियाणा के लक्ष्य को नई गति देगा और प्रदेश को आर्थिक, सामाजिक व औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहेगा और यह बजट प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनेगा।

हरियाणा बजट में बढ़ते कर्ज पर खामोशी और मूल मुद्दों से दूरी : सैलजा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट दिशाहीन, आंकड़ों का खेल और बढ़ते कर्ज पर पर्दा डालने वाला दस्तावेज है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार 10.28 प्रतिशत बजट वृद्धि का दावा कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि प्रदेश पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है। केवल बजट का आकार बढ़ाना उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह देखना आवश्यक है कि उस धन का वास्तविक लाभ आम जनता तक कितना पहुंचेगा। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह बजट हरियाणा की मूल समस्याओं से ध्यान हटाकर प्रस्तुत किया गया है। प्रदेश आज जल संकट और प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। घग्गर और यमुना नदियों में बढ़ते प्रदूषण को रोकने और उन्हें साफ करने के लिए कोई ठोस, समयबद्ध और प्रभावी योजना सामने नहीं रखी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आंकड़ों के सहारे एक आकर्षक प्रस्तुति देने की कोशिश की है, परंतु जमीनी स्तर पर बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की बढ़ती लागत, युवाओं का पलायन और छोटे व्यापारियों की समस्याएं जस की तस हैं।

बजट में सिरसा को बड़ी सौगात : यतिंद्र सिंह

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा के लिए बजट में बड़ी सौगात की घोषणा की है। उन्होंने सिरसा में जूस प्रसंस्करण संयंत्र (जूस प्रोसेसिंग प्लांट) लगाने की घोषणा की है, जोकि बेगू रोड स्थित वीटा मिल्क प्लांट में स्थापित किया जाएगा। इस प्लांट पर करोड़ रूपये खर्च होंगे। यह प्लांट पीपीपी मोड़ पर स्थापित किया जाएगा। जिसमें 10 हजार मीट्रिक टन किन्नू और 12 हजार मीट्रिक टन अन्य फलों के जूस निकाले जाएंगे। यह प्लांट 2026-27 में कार्य शुरू कर देगा। इसके लिए 3 एकड़ जगह मिल्क प्लांट में चिह्नित की गई है। उन्होंने दोहराया कि इस प्लांट का प्रावधान उनकी ओर से पिछले बजट में किया गया था। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह ने बजट को ऐतिहासिक, दूरदर्शी एवं जनभावनाओं के अनुरूप बताते हुए कहा है कि यह बजट हरियाणा को विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कृषि एवं पशुपालन को मजबूती देने हेतु गन्ना किसानों को प्रति एकड़ 5,000 की प्रोत्साहन राशि, मधुमक्खी पालन को मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना में शामिल करना, आधुनिक डेयरी फार्मों की स्थापना, नए पशु अस्पताल एवं पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणाएं यह सिद्ध करती हैं कि भाजपा सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के संकल्प पर पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

हरियाणा सरकार के बजट से किसानों में निराशा : मनदीप

प्रगतिशील किसान मनदीप नथवान ने कहा कि भाजपा सरकार के इस बजट में किसानों के साथ धोखा हुआ है। कई सालों से किसान कर्जामुक्ति की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार ने किसानों को इसमें कोई राहत नहीं दी है। इसके अलावा जिन किसानों की फसलें बरसात व अन्य प्राकृतिक आपदाओं से तबाह हो गई हैं, उन्हें भी अभी तक मुआवजा न देकर सरकार ने जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की बढ़ती लागत, युवाओं का पलायन और छोटे व्यापारियों की समस्याएं जस की तस हैं। इस सरकार में राजकोषीय घाटा बढ़ा है। वर्ष 2014 से अब तक राजकोषीय घाटा 2.75 गुना तक बढ़ चुका है जोकि चिंता का विषय है।

खबर संक्षेप

पुरानी रंजिश के चलते हमला, आरोपी को पकड़ा

फतेहाबाद। पुरानी रंजिश के चलते लाठी-डंडों से हमला करने के मामले में जाखल पुलिस ने तीसरे आरोपी को काबू किया है। इससे पूर्व इसी प्रकरण में दो आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना प्रभारी सुरेश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने बीरबल सिंह उर्फ ढंगी पुत्र महेंद्र सिंह निवासी गांव चांदपुरा की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 18 जनवरी को को आपसी रंजिश के चलते आरोपियों ने उसके घर के बाहर आकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उसे तथा अन्य व्यक्तियों को चोटें आईं।

साइबर ठगी का आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

फतेहाबाद। ऑनलाइन निवेश के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में भूना पुलिस ने एक आरोपी को काबू किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपक मीणा पुत्र श्याम लाल मीणा निवासी जिला सवाई माधोपुर के रूप में हुई है। थाना भूना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने नीरज बंसल पुत्र हुकमचंद निवासी वार्ड नं. 10, भूना की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 30 जनवरी को टेलीग्राम पर एक चैनल की लिंक पर क्लिक करने के बाद उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक ग्रुप सक्रिय हुआ।

महिला से बैग छीनने के मामले में युवक काबू

फतेहाबाद। महिला से बैग छीनने के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि 14 नवंबर 2025 को ड्यूटी समाप्त कर पैदल अपने घर लौट रही थीं। शाम को दो बाइक सवार युवकों ने झपटमारी कर उनका बैग छीन लिया। बैग में मोबाइल, नकदी राशि, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस सहित अन्य दस्तावेज एवं सरकारी कागजात मौजूद थे। शिकायत के आधार पर थाना भूना में मामला दर्ज कर जांच आरंभ की गई। पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया है।

अपेक्स स्कूल में नन्हे बच्चों ने बिखेरी प्रतिभा

- फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताम में नन्हे-मुन्नों ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। अपेक्स यूनिक टैलेंट 2026 में विजेताओं को सम्मानित करते स्कूल प्रबंधक।

सतीश कॉलोनी स्थित अपेक्स कान्वेंट स्कूल में 'अपेक्स यूनिक टैलेंट 2026' का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नन्हे बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा, आत्मविश्वास और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति को एक सशक्त मंच प्रदान करना रहा। महोत्सव के दौरान बच्चों के आयु वर्ग के अनुसार विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें नगर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैम्प वॉक में 2 से 4 वर्ष तक के नन्हे बच्चों ने अपने आत्मविश्वास और मासूमियत से रैम्प पर जलवे बिखेरे। फैंसी ड्रेस में आकर्षक वेशभूषा में सजे 4 से 6 वर्ष तक के बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। नृत्य प्रतियोगिता में 6 से 8 वर्ष तक के प्रतिभावान बच्चों ने अपने थिरकते कदमों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिभागियों का मूल्यांकन आत्मविश्वास, सृजनात्मकता, वेशभूषा और मंच कौशल जैसे कड़े मानकों के आधार पर किया गया। बच्चों के मनोरंजन के लिए विशेष फन ज़ोन और अनेक शैक्षणिक गतिविधियों का भी प्रबंध किया गया था। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

भविष्य में होंगे कार्यक्रम

विद्यालय संचालक अमित मक्कड़ ने कहा कि बाल्यावस्था में दिया गया प्रोत्साहन ही भविष्य की सफलता की आधारशिला है। ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व क्षमता और मंच कौशल विकसित करते हैं। प्राचार्य उमंग कक्कड़ ने सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अपेक्स यूनिक टैलेंट जैसे कार्यक्रम बच्चों को अपनी अंतर्निहित प्रतिभा पहचानने का अवसर देते हैं और भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम जारी रहेंगे।

मिठडी में जेजेपी ने किया होली मिलन समारोह, कार्यकर्ताओं में दिखा जोश

- पार्टी सुप्रीमों अजय चौटाला व प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला रहे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। होली मिलन समारोह को संबोधित करते अजय चौटाला। *फोटो : हरिभूमि*

जिला के गांव मिठड़ी स्थित फार्म हाउस पर सोमवार को जेजेपी द्वारा होली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला व युवा जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला मुख्य रूप से शामिल हुए। पार्टी प्रवक्ता अमर सिंह ज्याणी ने बताया कि कार्यक्रम में पार्टी के जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा के साथ प्रदेश एवं जिलेभर से पहुंचे पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला व युवा जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला को तिलक लगाकर उन्हें होली की शुभकामनाएं दी। दिग्विजय सिंह चौटाला व जिलाध्यक्ष अशोक वर्मा ने सभी उपस्थितजनों से आगामी 13 मार्च को अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन पर हांसी जिले में होने वाले प्रदेश स्तरीय सर्व हरियाणा जनचेतना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर पूरे हरियाणा में विशेष उत्साह पाया जा रहा है।

आपसी प्रेम व एकता का संदेश देती है होली : महेंद्र

सिरसा। जय मां सरस्वती सेवा समिति द्वारा होली परिवार मिलन समारोह का आयोजन संतनगर कॉलोनी स्थित धर्मशाला में मनाया गया। संस्था के प्रधान महेंद्र कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्य शामिल हुए। समारोह की शुरूआत पारंपरिक होली गीतों व अबीर गुलाल के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी भाईचारे व सौहार्द का संदेश दिया। बच्चों व युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। इस अवसर पर प्रधान महेंद्र कुमार ने होली के महत्व पर कहा कि यह पर्व आपसी मतभेद भुलाकर प्रेम व एकता का संदेश देता है। उन्होंने सभी से सामाजिक सौहार्द बनाए रखने व क्षेत्र के विकास में सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर संस्था के संस्थापक मुन्ना गुप्ता, उपसंस्थापक आनंददेव दास, सचिव अशोक सैनी, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार, परशुराम यादव, उमेश चंद शुक्ला, कपिलदेव, राजकुमार पासवान, बसंत यादव, चंद्रदेव यादव, प्रमोद यादव, विजय यादव, राजू प्रसाद, उदयदास, सतेंदर दास, हरिदास, अर्जुन प्रसाद, विजय प्रसाद आदि अपने परिवार के साथ शामिल हुए।

विस्थापित परिवारों को चिल्लेवाल गांव में मालिकाना हक दिलाने की प्रक्रिया तेज

फतेहाबाद। जिला फतेहाबाद की उप तहसील जाखल के गांव चिल्लेवाल में भाखड़ा बांध विस्थापितों के लिए आरक्षित आबादी क्षेत्र में स्थित आवंटित प्लॉटों के स्वामित्व अधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया जारी है। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि इस संबंध में पात्र लाभार्थियों सूरज सिंह पुत्र हाकम सिंह व हरनाम सिंह उर्फ नानक चंद पुत्र जमीयत सिंह के कानूनी वारिसों द्वारा कार्यालय उपायुक्त रिहैबिलिटेशन, शाखा बीबीएमबी, फतेहाबाद में आवश्यक कंवेंस डीड फार्म जमा करवाए गए हैं। सूरज सिंह के वारिसान कमल सिंह, विधवा स्वर्ण देवी, रविंद्र कुमार, दर्शन सिंह, बलवान सिंह है। इसी प्रकार हरनाम सिंह के वारिसान विधवा शीला देवी, सतपाल सिंह, तरसेम सिंह, प्रवीण कुमार, राजेंद्र पाल और मशिन्द्र कुमार है। उन्होंने बताया कि प्राप्त आवेदनों में दर्शाए गए वारिसों का विवरण कार्यालय में उपलब्ध है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा वास्तविक लाभार्थियों को अधिकार प्रदान करने के उद्देश्य से यह सूचना सार्वजनिक की गई है, ताकि यदि किसी व्यक्ति को प्रस्तुत वारिस विवरण पर कोई आपत्ति या दावा हो तो वह निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी आपत्ति दर्ज करा सके। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि संबंधित व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन से 15 दिनों के भीतर अपना एतराज या दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला प्रशासन पात्र विस्थापित परिवारों को उनके अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और नियमों के अनुरूप संपन्न की जा रही है।

अक्षम बच्चों को श्रम विभाग देगा आर्थिक सहायता

सिरसा। हरियाणा श्रम विभाग द्वारा श्रमिक परिवारों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के तहत अक्षम बच्चों को वित्तीय सहायता योजना राहत साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत कामगारों के ऐसे बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो शारीरिक या मानसिक रूप से दिव्यांग हैं। सरकार का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के पालन-पोषण एवं उपचार में सहयोग देना है। योजना के अनुसार, जिन कामगारों के बच्चों में 50 प्रतिशत या उससे अधिक शारीरिक या मानसिक दिव्यांगता होती है, उन्हें हर महीने 2000 रुपए की वित्तीय सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के खाते में भेजी जाती है, जिससे परिवारों को नियमित आर्थिक सहयोग मिल सके। दिव्यांग बच्चों की देखभाल में अतिरिक्त खर्च आता है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह सहायता शुरू की गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए शर्तें निर्धारित की गई हैं। श्रमिक को निर्धारित क्लेम फॉर्म-15 में आवेदन करना अनिवार्य है।

टोहाना में युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक कर खेलों से जोड़ेगी टीम : भवानी

महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट की 'एक संकल्प नशे के खिलाफ' मुहिम

41 सदस्यीय विशेष कमेटी स्थानीय स्तर पर नशा तस्करों के विरूद्व जागरूक करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। ट्रस्ट की टोहाना टीम की घोषणा करते संस्थापक भवानी सिंह।

जिला को नशामुक्त बनाने और युवाओं को इस सामाजिक बुराई से बचाने के लिए महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट ने अपनी मुहिम को तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रेरणा से संचालित 'एक संकल्प नशे के खिलाफ' अभियान के तहत अब ट्रस्ट द्वारा जिले के टोहाना शहर में एक सशक्त मोर्चा तैयार किया गया है। ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह द्वारा टोहाना शहर के लिए 41 सदस्यीय विशेष कमेटी की घोषणा की गई है। यह कमेटी स्थानीय स्तर पर नशा तस्करों और नशे की लत के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाकर समाज को सुरक्षित करने का कार्य करेगी।

कमेटियों का किया गठन

भवानी सिंह ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा फतेहाबाद व रतिया क्षेत्र के अनेक गांवों में कमेटियों का गठन किया जा चुका है। ट्रस्ट द्वारा गठित कमेटी के सदस्य न केवल युवाओं को नशे से दूर कर समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास कर रहे हैं वहीं गांवों में विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को खेलों से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब ट्रस्ट द्वारा नशामुक्त समाज की मुहिम की टोहाना में शुरूआत की गई है। पंजाब सीमा से सटा होने के कारण यहां भी काफी युवा नशे की गिरफ्त में है। ट्रस्ट की टीम का प्रयास रहेगा कि इन युवाओं को जागरूक कर इस सामाजिक बुराई से दूर किया जा सके।

कमेटी में ये सदस्य शामिल

इस 41 सदस्यीय कमेटी में अनिल मेहता, सुबे सिंह, अमन चित्रा, सोनू शर्मा, ईश्वर शर्मा, साहिल मिर्जा, गुरतेज बॉक्सर, राकेश परमार, दीपक गांधी, जोगिन्द्र शर्मा, राजीव शर्मा, सिम्पू लोहट, आजाद लाखा, कृष्ण सेलवाल, दीपक पहलवान, लवप्रीत सिंह, गुरपाल सिंह, गुरसेवक सिंह, दिनेश कुमार, आशीष कुमार, बंटी, राजू, अरूण शर्मा, कौशल नैन, अमन नैन, कुलदीप सैनी, रामवीर सिंह, संदीप ठाकुर, सतपाल सिंह, अनिल बिंदल, हरदीप नूर, जनक नैन, अनमोल सिंह, अंग्रेज सिंह, अशोक कुमार, अवतार सिंह, अमन कुमार, विजय कुमार गाजूवाला, संजीव कुमार नन्हेड़ी, बलवान सिंह चिल्लेवाल, राजेन्द्र धारसूल को शामिल किया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ट्रस्ट सदस्य शर्मा चंद लाली, मोहन लाल सरपंच आकांवली, दीपक कम्बोज सरपंच हरिपुरा, चरणजीत सिंह खोखर, पारस सिंगला, जोगी राम सरपंच कुकड़वाली, गुरदीप अयालकी, अमन राघव, अभि नेहरा, सोनू शर्मा, आजाद लक्खा, अमन वर्मा, कृष्ण सेलवाल, सुरेश पहलवान, गुरतेज बॉक्सर, संदीप गौरी, ईश्वर सिंह, धर्मवीर बंसल, हरीश आदि मौजूद रहे।

योग शारीरिक व मानसिक प्रथाओं का समूह : किरण

सिरसा। राजकीय महिला कॉलेज सिरसा में एनएसएस इकाई के साप्ताहिक शिविर के तीसरे दिन की शुरुआत सभी के हार्दिक अभिनंदन और लक्ष्य गीत से की गई। महविद्यालय के प्रेस प्रवक्ता डॉ. कपिल कुमार सैनी बताया कि कैंप में मुख्य वक्ता चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा से महिला पतंजलि योग समिति की राज्य कार्यकारिणी सदस्य सोशल वर्कर किरण भल्ला थे। उन्होंने कहा कि योग आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक प्रथाओं का एक समूह है । योग शारीरिक व्यायाम, शारीरिक मुद्रा, ध्यान, सांस लेने की तकनीकों और व्यायाम को जोड़ता है। एनएसएस इंचार्ज डॉ. प्रीत कौर ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव करके राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं।